MP Board Class 7th Social Science Solutions Chapter 17 राज्यपाल एवं राज्य मन्त्रि-परिषद

प्रश्न 1.
रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –
(1) ..... राज्य का प्रमुख होता है।
(2) मुख्यमन्त्री की नियुक्ति ..... करता है।
(3) मन्त्रि-परिषद् का मुखिया ..... होता है।
(4) राज्यपाल पद पर नियुक्ति हेतु आयु ..... वर्ष होनी चाहिए।
उत्तर:
(1) राज्यपाल
(2) राज्यपाल
(3) मुख्यमन्त्री
(4)35

प्रश्न 2.
निम्नलिखित की सही जोड़ियाँ बनाइए –

(अ)	(ब)
(1) राज्यपाल की नियुक्ति	(a) पाँच
(2) राज्यपाल का कार्यकाल	(b) कानून को लागू करना
(3) मन्त्रि-परिषद् की श्रेणियाँ हैं	(c) चार
(4) मन्त्रि-परिषद् का मुख्य कार्य है	(d) राष्ट्रपति

उत्तर:
(1) (d) राष्ट्रपति
(2) (a) पाँच
(3) (c) चार
(4) (b) कानून को लागू करना

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 3.
(1) राज्य सरकार के सभी कार्य किसके नाम से चलाए जाते हैं?
उत्तर:
राज्य सरकार के सभी कार्य राज्यपाल के नाम से चलाए जाते हैं।

(2) राज्यपाल किसकी सलाह से मन्त्रियों की नियुक्ति करता है?
उत्तर:
राज्यपाल मुख्यमन्त्री की सलाह से मन्त्रियों की नियुक्ति करता है।

(3) मन्त्रि-परिषद् की श्रेणियों के नाम लिखिए।
उत्तर:
मन्त्रि – परिषद् की श्रेणियाँ –

- कैबिनेट मन्त्री
- राज्य मन्त्री
- उप मन्त्री, तथा
- संसदीय सचिव हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 4.

(1) राज्य मन्त्रि-परिषद् के कार्यों का वर्णन कीजिए।

उत्तर:

राज्य मन्त्रि-परिषद् के कार्य निम्नलिखित हैं –

(i) कानूनों को लागू करना – मन्त्रि – परिषद् का मुख्य कार्य विधानसभा द्वारा बनाए गए कानूनों को लागू करना है।

(ii) राज्य हेतु नीति निर्धारण एवं क्रियान्वयन करना-राज्य मन्त्रि-परिषद् राज्य के विकास एवं संचालन हेतु नीति निर्धारण करता है तथा इन नीतियों को लागू करने हेतु आवश्यक आदेश एवं निर्देश प्रसारित करता है। वह प्रशासकीय स्तर पर इन नियमों के क्रियान्वयन पर निगरानी रखता है।

(iii) राज्यपाल को परामर्श देना – राज्य मन्त्रि-परिषद् उच्च पदों पर नियुक्ति हेतु राज्यपाल को परामर्श देता है। उसके बाद राज्यपाल नियुक्ति करता है।

(iv) विधायी कार्य – मन्त्रि-परिषद् के सदस्यों द्वारा तैयार किया हुआ शासकीय विधेयक व्यवस्थापिका के किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जाता है। मन्त्रि-परिषद् के सदस्य विधान मण्डल में विधेयक सम्बन्धी जानकारी, प्रश्नों और समालोचनाओं के उत्तर देते हैं। यदि कोई विधेयक विधान सभा में पारित नहीं होता है तो सम्पूर्ण मन्त्रि-परिषद् द्वारा त्यागपत्र देना आवश्यक है।

(v) वित्तीय कार्य – राज्य विधान परिषद् राज्य की नीतियों। के क्रियान्वयन के लिए आय-व्यय सम्बन्धी प्रस्ताव तैयार करती है। इस प्रस्ताव को वित्त विधेयक कहते हैं। इस विधेयक को वित्त मन्त्री विधानसभा में प्रस्तुत करता है तथा मन्त्रि-परिषद् इस विधेयक को स्वीकृत करवाती है।

(2) राज्यपाल बनने के लिए क्या – क्या अर्हताएँ होनी चाहिए ?

उत्तर:

राज्यपाल बनने के लिए निम्नलिखित अर्हताएँ होनी चाहिए –

- वह भारत का नागरिक हो।
- वह 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो।
- वह संसद अथवा राज्य विधान मण्डल का सदस्य न हो।
- वह केन्द्र सरकार अथवा राज्य सरकार के अधीन किसी लाभकारी पद पर कार्यरत न हो।

(3) राज्यपाल द्वारा अध्यादेश कब व क्यों जारी किया जाता है ?

उत्तर:

जब विधानसभा की बैठकें नहीं चल रही हों और किसी कानून की तुरन्त आवश्यकता हो, तो राज्यपाल आदेश जारी कर सकता है। राज्यपाल द्वारा जारी यह आदेश 'अध्यादेश' कहलाता है। ये अध्यादेश कानून के समान ही होते हैं।

https://www.evidyarthi.in/